

नदी की उस धारा को देखते
पारदर्शी सी नजरे दिखाई दें
शीतल सी ध्वनि सुनाई दें

नदी की उस धारा को देखते
सपनों के वादल बुनाई दें
वीना सौचें राह में कदम बढ़ाई दें
पत्थरों से जल को टकराई दें
गिरने के बाद संभल ना पाई दें

नदी की उस धारा को देखते
वहते वहते रुक धारा से टकराई दें
लहरों को देख कर भी धक्काई दें
रंगों को देख इठलाई दें
बर्फों के ऊपर फिर बलझाई दें

नदी की उस धारा को देखते
शब्दों के बंदीशें हटाई दें
सपनों की नई दुनिया बनाई दें